लद्दाख में निम्मू-पदम-दारचा मार्ग

[स्रोत: पी.आई.बी](#)

हाल ही में सीमा सड़क संगठन (BRO) ने लद्दाख में रणनीतिक **निम्मू-पदम-दारचा मार्ग** को जोड़कर एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

- यह मार्ग कारगिल-लेह राजमार्ग के साथ दारचा और निम्मू से गुजरते हुए **मनाली तथा लेह के बीच एक महत्त्वपूर्ण लिंक के रूप में करेगा**।
- यह मार्ग अब मौजूदा मनाली-लेह और श्रीनगर-लेह मार्गों के साथ-साथ **लद्दाख को भीतरी इलाकों** से जोड़ने वाली **तीसरी धुरी** के रूप में कार्य करेगा।
- यह सड़क **अन्य मार्गों की तुलना में कम दूरी के कारण रणनीतिक महत्त्व रखती है**। यह **लद्दाख क्षेत्र को प्रत्येक मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगा**।
- यह केवल एक दर्रे यानी **16,558 फीट** की ऊँचाई पर शिंकुन ला को पार करता है, जहाँ बीआरओ की देखरेख में सुरंग का काम शुरू होने वाला है।
- सड़क के पूरा होने से न केवल रक्षा तैयारी मज़बूत होगी, बल्कि ज़ांस्कर घाटी में आर्थिक विकास में भी योगदान मिलेगा।
- **बीआरओ** की कल्पना और स्थापना **वर्ष 1960** में **पंडित जवाहरलाल नेहरू** द्वारा देश के **उत्तर तथा उत्तर पूर्वी सीमा क्षेत्रों** में सड़कों के नेटवर्क के त्वरित विकास के समन्वय के लिये की गई थी।
    - यह **रक्षा मंत्रालय** के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है।

और पढ़ें: वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम, बीआरओ ने रोहतांग दर्रा, ज़ोजी ला, लद्दाख का महत्त्व।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nimmu-padam-darcha-road-in-ladakh